NEWS FOR UPSC

UPSC

IAS/PCS

STATE EXAM

All Exam

ABHAY SIR

CURRENT AFFAIRS

24 Dec. 2024

Accept your past without regret, handle your present with confidence, and face your future witout fear.

A.P.J. ABDUL KALAM

Topic 1:– गणतंत्र दिवस समारोह-2025 की झांकी का विषय
'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास'

Topic 2:– एमएसएमई के अंतर्गत निर्यात में बढ़ोतरी

Topic 3 :– टिड्डी दलों का पूर्वानुमान लगाने वाली नई प्रणाली

Topic 4 :– कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट जारी

Topic 5 :– संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद
(UN Internal Justice Council)

Topic 6 :– बायो-बिटुमेन

गणतंत्र दिवस समारोह-2025 की झांकी का विषय
'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास'

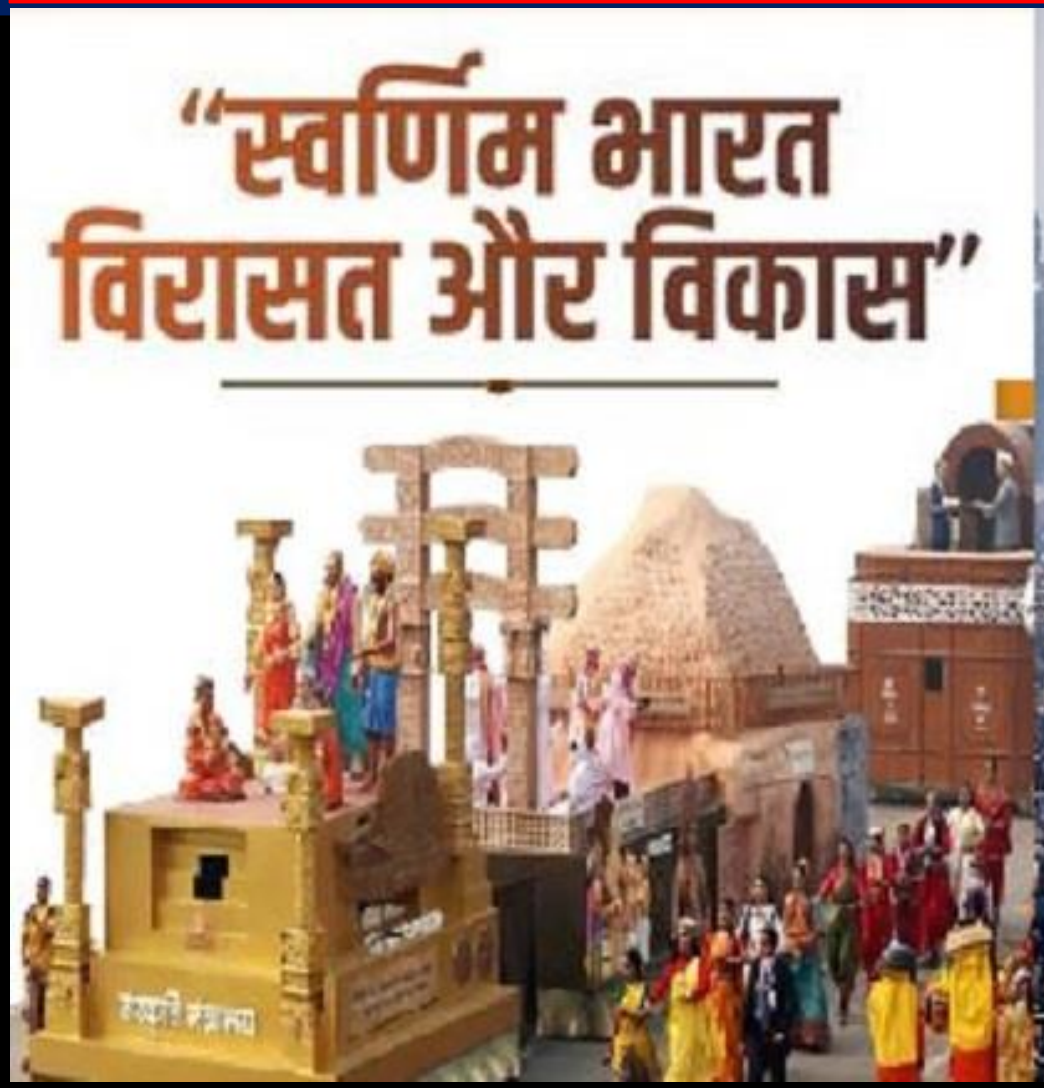

❑हर वर्ष राज्य/केंद्र शासित प्रदेश और केंद्र सरकार के मंत्रालय/विभाग गणतंत्र दिवस समारोह (आरडीसी) के हिस्से के रूप में कर्तव्य पथ पर अपनी झांकी दर्शाते हैं।

❑इन झांकियां का आयोजन रक्षा मंत्रालय के द्वारा किया जाता है

❑गणतंत्र दिवस समारोह-2025 के लिए झांकी का विषय 'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' रखा गया है।

❑गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने हेतु झांकियों के चयन के उद्देश्य से एक सुस्थापित प्रणाली मौजूद है

❑ रक्षा मंत्रालय सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों से झांकियों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है।

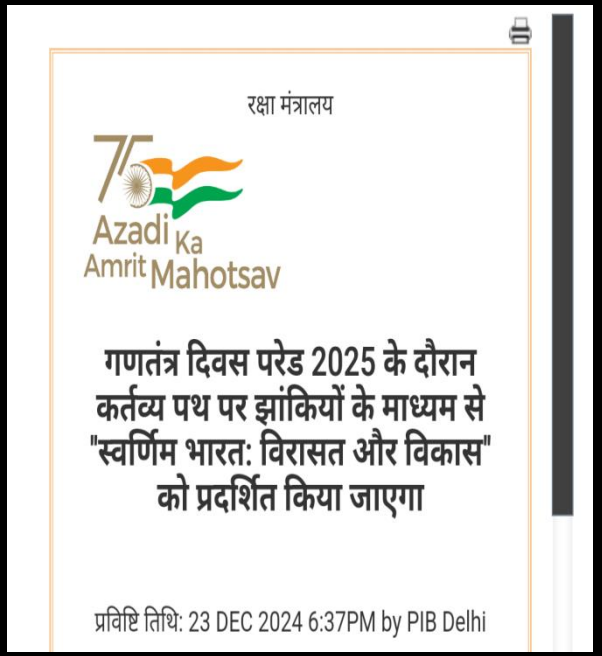

Source :– PIB

Que :– गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि बनने वाले पहले विदेशी राष्ट्राध्यक्ष कौन थे?

(a) क्वीन एलिजाबेथ II

(b) मलेशिया के राजा

(c) इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो

(d) नेपाल के राजा महेंद्र

एमएसएमई के अंतर्गत निर्यात में बढ़ोतरी

❑Bharat के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के अंतर्गत निर्यात में बढ़ोतरी देखी गई है

❑एमएसएमई में यह वृद्धि 2020-21 में ₹3.95 लाख करोड़ से बढ़कर 2024-25 में ₹12.39 लाख करोड़ हो गई है

❑निर्यात में बढ़ोतरी का अर्थ :– अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने और वैश्विक व्यापार को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण।

❑ 2024-25 में निर्यात करने वाले एमएसएमई की कुल संख्या भी 2020-21 में 52,849 से बढ़कर 2024-25 में 1,73,350 हो गई है।

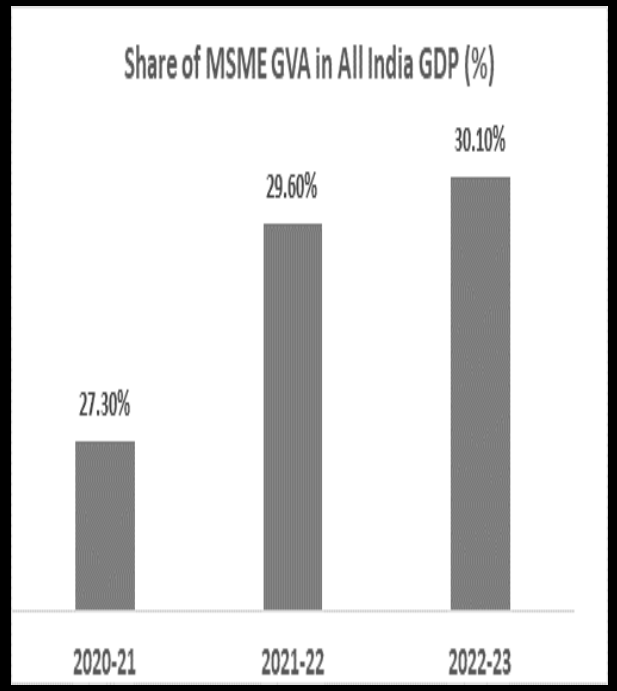

❑भारत के द्वारा एमएसएमई क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया है जिससे पिछले कुछ वर्षों में देश की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान हो रहा है।

❑भारत की जीडीपी में एमएसएमई की ओर से सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) 2017-18 में 29.7% था, जो 2022-23 में बढ़कर 30.1% हो गया।

❑ कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न हुई चुनौतियों की वजह से, इस क्षेत्र ने 2020-21 में 27.3% का योगदान बनाए रखा, जो 2021-22 में बढ़कर 29.6% हो गया।

Year Wise MSMEs scaled up Under Udyam Since 01/07/2020 to 24/07/2024		
FY	Micro to Medium	Small to Medium
2020-21 to 2021-22	714	3,701
2021-22 to 2022-23	1,221	6,476
2022-23 to 2023-24	1,835	15,918
2023-24 to 2024-25	2,372	17,745

❑ एमएसएमई का 1 जुलाई 2020 में संशोधित वर्गीकरण किया गया जिसके अनुसार एमएसएमई को निम्नलिखित वर्गों में बांटा गया है:

❑सूक्ष्म उद्यम: जहां संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश एक करोड़ रुपये से अधिक नहीं है और सालाना आय पांच करोड़ रुपये से अधिक नहीं है।

❑लघु उद्यम: जहां संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश दस करोड़ रुपये से अधिक नहीं है और सालाना आय पचास करोड़ रुपये से अधिक नहीं है।

❑मध्यम उद्यम: जहां संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश पचास करोड़ रुपये से अधिक नहीं है और सालाना आय दो सौ पचास करोड़ रुपये से अधिक नहीं है।

Q :– "प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)" का उद्देश्य क्या है?

(a) आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना

(b) बड़े उद्योगों को वित्तीय सहायता

(c) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन के लिए MSMEs को प्रोत्साहन

(d) कौशल विकास प्रशिक्षण

टिड्डी दलों का पूर्वानुमान लगाने वाली नई प्रणाली

Result Mitra

❑कोविड महामारी के समय हमने एक और आपदा को देखा और वह था टिड्डे का आतंक।

❑ये टिड्डे कृषि के लिए सबसे अधिक खतरनाक होते है।

❑खेती के लिए सबसे खतरनाक प्रवासी कीटों में से रेगिस्तानी टिड्डा (शिस्टोसेरका ग्रेगेरिया) एक है, जिससे कई क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा के लिए इसका नियंत्रण जरूरी हो गया है।

❑आमतौर पर रेगिस्तानी टिड्डे एकांत में रहते हैं और यह तब तक आकर्षित नहीं होते जब तक कि कोई चीज उन्हें आकर्षित न करें।

कृषि

नई शुरुआती चेतावनी प्रणाली टिड्डी दलों का लगाएगी सटीक पूर्वानुमान, निपटने में मिलेगी मदद

यह उपकरण सरकारों और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा रेगिस्तानी टिड्डे के झुंडों की निगरानी, पूर्व चेतावनी और प्रबंधन की जानकारी देगा।

Source:– DOWN TO EARTH

❑जैसे तेज बारिश उन्हें भारी संख्या में झुंड में इकट्ठा होने के लिए प्रेरित करती है, जिसके कारण अक्सर विनाशकारी होते हैं।

❑जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवात जैसी घटनाओं के कारण भी रेगिस्तानी टिड्डियों के झुंडों के आने के आसार बढ़ जाते हैं।

❑चक्रवात और तेज वर्षात से रेगिस्तानी क्षेत्रों में नमी आती है जिससे पौधे पनपते हैं और टिड्डियों को भोजन मिलता है जिससे उनका प्रजनन शुरू हो जाता है।

❑टिड्डी दल कितना घातक हो सकता है :– यह प्रवासी कीट भारी विनाश का कारण बन सकता है

❑ एक झुंड एक वर्ग किलोमीटर को कवर करते हुए एक दिन में 35,000 लोगों को खिलाने तक के पर्याप्त भोजन को चट कर सकता है।

❑ फसलों के भारी विनाश से खाद्य कीमतों में वृद्धि होती है और भुखमरी के आसार बढ़ सकते हैं।

❑ कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के अंतर्गत किए गए शोध में शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाने का तरीका विकसित किया है कि रेगिस्तानी टिड्डे कब और कहां झुंड में आएंगे, ताकि समस्या के हाथ से निकलने से पहले ही उनसे निपटा जा सके।

❑जैसे पता चलेगा :– यह विधि मौसम के पूर्वानुमान से संबंधित आकड़ों और हवा में कीटों की गतिविधियों के अत्याधुनिक कम्प्यूटेशनल मॉडल का उपयोग करती है।

❑ क्या अनुमान लगाया जाएगा :– झुंड नए भोजन और प्रजनन के मैदानों की तलाश में कहां जाएंगे।

❑अनुमान लगाने का लाभ :– प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में फिर कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सकता है।

❑रेगिस्तानी टिड्डों पर नियंत्रण आवश्यक क्यों :–

1.खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है रेगिस्तानी टिड्डों पर नियंत्रण।

2. यह अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में छोटे किसानों के लिए सबसे बड़ा प्रवासी कीट है

3. राष्ट्रीय सीमाओं के पार लंबी दूरी की यात्रा करने में सक्षम है।

4.एलडब्ल्यूओ द्वारा टिड्डी नियंत्रण एवं शोध विषय पर जारी एक डॉक्यूमेंट बताता है कि दुनिया में टिड्डियों की 10 प्रजातियां सक्रिय हैं

5. जिनमे से चार प्रजातियां भारत में समय-समय पर देखी गई हैं। इनमें से सबसे खतरनाक रेगिस्तानी टिड्डी होती है।

6.इसके अलावा प्रवासी टिड्डियां, बॉम्बे टिड्डी और ट्री (वृक्ष) टिड्डी भी भारत में देखी गई हैं।

7. इस बार जो प्रजाति सक्रिय है, वह रेगिस्तानी टिड्डियां हैं।

8.एक व्यस्क टिड्डी की रफ्तार 12 से 16 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है।

9.ये टिड्डियां कितना नुकसानदायक हो सकती हैं, इसका अनुमान ऐसा लगाया जा सकता है कि इन टिड्डियों का एक छोटा दल एक दिन में 10 हाथी और 25 ऊंट या 2500 आदमियों के बराबर खाना खा सकता है।

❑ नए शोध से क्या होगा :– रेगिस्तानी टिड्डों के प्रकोप के दौरान अब कई दिन पहले इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि झुंड कहां जाएंगे।

❑यह पता करके उन्हें विशेष स्थानों पर नियंत्रित कर सकते है।

❑यदि उन्हें उन जगहों पर नियंत्रित नहीं किया जाता है, तो इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि वे आगे कहां जाएंगे, ताकि वहां तैयारी की जा सके।

Q:– रेगिस्तानी टिड्डों के झुंड के कारण कृषि संकट की समस्या पर विचार करें। निम्नलिखित में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) वे फसलों को तेजी से नष्ट कर देते हैं।

(b) उनके प्रकोप का कोई मौसम नहीं होता।

(c) वे लंबी दूरी तक यात्रा कर सकते हैं।

(d) उनका प्रभाव केवल रेगिस्तानी क्षेत्रों तक सीमित है।

कृषि, पशुपालन और खादय प्रसंस्करण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट जारी

Result Mitra

❑कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट जारी की गई

❑ रिपोर्ट में क्या :–

1.पशुधन क्षेत्र में सुधार के लिए कई उपायों की सिफारिश की गई है

2. पशुधन क्षेत्र से संबंधित प्रमुख मुद्दों को उजागर किया गया।

❑भारत में पशुधन की स्थिति :–

❑भारत के पास विश्व में पशुधन की सर्वाधिक आबादी है।

❑कुल सकल मूल्य वर्धन (GVA) में 2022-23 में, 4.66% का योगदान।

❑7.38% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से 2014-15 से 2022-23 तक वृद्धि हुई।

❑GVA (कृषि संबंधी) में इनका योगदान 24.32% से बढ़कर 30.38%।

❑इस रिपोर्ट में उजागर की गई मुख्य चिंताएं

❑कम बजट आवंटन: लघु पशुधन संस्थान, नस्ल सुधार संस्थान और भारतीय पशु चिकित्सा परिषद जैसे प्रमुख संस्थानों के लिए कम धनराशि आवंटित की जाती है।

❑चारा और आहार संबंधी मुद्दे: भारत में केवल 5% कृषि योग्य भूमि पर चारा उत्पादन होता है, जबकि भारत में विश्व की 15% पशुधन आबादी है।

❑पशुधन बीमा: भारत में केवल 1% पशुधन ही बीमा के तहत कवर हैं।

❑अन्य मुद्दे: इसमें निधियों का कम उपयोग करना, कम उत्पादकता, योजनाओं में अपर्याप्त प्रगति आदि शामिल है।

Q:– राष्ट्रीय पशुधन मिशन (National Livestock Mission) का उद्देश्य क्या है?

(a) वाणिज्यिक पोल्ट्री फार्म को बढ़ावा देना

(b) सतत पशुपालन का विकास

(c) पशुओं के लिए आनुवंशिक सुधार कार्यक्रम

(d) केवल डेयरी क्षेत्र का विकास

संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद
(UN Internal Justice Council)

❑ चर्चा में क्यों :– हाल ही में मदन बी. लोकुर को संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

❑कौन है :– सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश

❑संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद (United Nations Internal Justice Council) संयुक्त राष्ट्र का एक तंत्र है जो संगठन के भीतर कार्यस्थल विवादों और अनुशासनात्मक मामलों के निष्पक्ष और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए कार्य करता है।

❑ इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों के लिए न्याय की एक प्रभावी प्रणाली प्रदान करना है।

❑ स्थापना और उद्देश्य

❑यह परिषद 2009 में संयुक्त राष्ट्र के आंतरिक न्याय प्रणाली के सुधार के हिस्से के रूप में स्थापित की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य न्यायिक स्वतंत्रता को बनाए रखना, विवाद समाधान प्रणाली की प्रभावशीलता सुनिश्चित करना और कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करना है।

❑संरचना

❑ इसमें पांच सदस्य होते हैं।

❑ ये हैं :– एक अध्यक्ष, कर्मचारियों का एक प्रतिनिधि, प्रबंधन का एक प्रतिनिधि, दो बाहरी न्यायविद।

❑ **नियुक्ति:** महासचिव द्वारा सदस्यों की नियुक्ति की जाती है।

❑ **आंतरिक न्याय परिषद निम्नलिखित दो प्राथमिक निकायों की देखरेख करती है:**

1. संयुक्त राष्ट्र विवाद न्यायाधिकरण (UN Dispute Tribunal - UNDT)
यह प्राथमिक न्यायिक निकाय है, जो कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच विवादों की सुनवाई करता है।
2. संयुक्त राष्ट्र अपीली न्यायाधिकरण (UN Appeals Tribunal - UNAT)
यह एक अपीलीय निकाय है, जो UNDT के निर्णयों के खिलाफ अपीलों की सुनवाई करता है।

❑ कार्य

1. संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक प्रणाली में सुधार सुनिश्चित करना।
2. विवादों का तेजी से और निष्पक्ष समाधान करना।
3. न्यायाधिकरणों के सदस्यों की स्वतंत्रता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना।
4. अनुशासनात्मक मामलों की निष्पक्ष समीक्षा करना।

❑महत्त्व

❑यह परिषद कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक पारदर्शी और जवाबदेह तंत्र प्रदान करती है।

❑यह संयुक्त राष्ट्र में कार्यस्थल न्याय और अनुशासनात्मक प्रक्रिया में विश्वास को बढ़ावा देती है।

❑इसका संचालन सदस्य देशों द्वारा अनुमोदित नियमों और प्रक्रियाओं के आधार पर होता है।

प्रश्न: संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय प्रणाली के कौन से दो प्रमुख अंग हैं?

1. विवाद न्यायालय (Dispute Tribunal)
2. मानवाधिकार न्यायालय (Human Rights Tribunal)
3. अपील न्यायालय (Appeals Tribunal)
4. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (International Court of Justice)

विकल्प:

(a) 1 और 2
(b) 1 और 3
(c) 2 और 4
(d) 3 और 4

बायो-बिटुमेन

❑ भारत के पहले राष्ट्रीय राजमार्ग का उद्घाटन किया गया जिसका निर्माण बायो-बिटुमेन से किया गया।

❑यह राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के एक हिस्से के रूप में नागपुर-मनसर बाईपास सेक्शन पर बनाया गया है।

❑बिटुमेन का उपयोग मुख्य रूप से सड़क बनाने और जलरोधक बनाने में किया जाता है।

❑बायो-बिटुमेन के बारे में :–

❑बिटुमेन की प्राप्ति :– कच्चे तेल के आसवन से प्राप्त एक काला पदार्थ है।

- यह चिपचिपा होता है।
- यह कार्बनिक तत्वों से बना होता है।
- बायो-बिटुमेन के उदाहरण :– पराली, लिगिन, बायो-चार, बायो-ऑयल, आदि।
- उपयोग :– बिटुमेन के बदले या फिर बाइंडर मिश्रण में (बिटुमेन की मात्रा को कम करने के लिए)

प्रश्न: बायो-बिटुमेन के लाभ क्या हैं?
निम्नलिखित में से कौन-से बायो-बिटुमेन के लाभ हैं?
1. नवीकरणीय स्रोतों से बनता है।
2. पारंपरिक बिटुमेन की तुलना में अधिक टिकाऊ है।
3. इसके उपयोग से कार्बन फुटप्रिंट घटता है।
4. इसे केवल लकड़ी के कचरे से बनाया जा सकता है।
सही विकल्प चुनें:
(A) 1, 2 और 3
(B) 1 और 4
(C) 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

ग्लोबल फायर इंडेक्स - 2024 रिपोर्ट जारी

❑ ग्लोबल फायर इंडेक्स की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 145 देशो की सूची में भारतीय सैन्य शक्ति का स्थान चौथा है। वहीं पाकिस्तानी सैन्य शक्ति दुनिया में 9वें नंबर पर है।

❑भारत और फ्रांस के डिफेंस बजट में भी बड़ा अंतर है। भारत का सालाना डिफेंस बजट 6.22 लाख करोड़ रुपये है। वहीं, पाकिस्तान का डिफेंस बजट पाकिस्तान का रक्षा बजट 2,122 अरब पाकिस्तानी रुपये का है। है।

❑चीन का 19.61 लाख करोड़ रुपये है।

❑ कुल सैनिक

❑भारत कुल एक्टिव सैनिकों की संख्या 14,55,550 है।

❑पाकिस्तान के कुल एक्टिव सैनिकों की संख्या 654,000 है।

❑अर्धसैनिक बलों की संख्या :–

❑भारत के पास 25,27,000

❑पाकिस्तान के पास 500,000 है।

❑कुल विमान

❑भारत के पास 2296 है

❑पाकिस्तान के पास 1434 है।

❑ लड़ाकू विमान :–

❑भारत के लड़ाकू विमानों की संख्या 606 है

❑पाकिस्तान के पास ये 387 हैं।

❑अटैक विमान भारत के पास 130 है और पाकिस्तान के पास 90 हैं।

❑ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट :–

❑भारत के पास कुल 264 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट हैं,

❑पाकिस्तान के पास इनकी संख्या 60 है।

❑एरियल रिफ्यूलर विमान

❑भारत के 6 है

❑ पाकिस्तान के पास 4 हैं।

- कुल हेलीकॉप्टर
- भारत के पास 869 है
- पाकिस्तान के 352 है।

- अटैक हेलीकॉप्टर
- भारत के पास 40 है
- जबकि पाकिस्तान के पास 57 है।

- टैंक
- भारत के पास 4614 है
- पाकिस्तान के पास 3742 टैंक हैं।

❑ आर्मर्ड व्हीकल

❑भारत के पास 151248 है

❑पाकिस्तान के पास 50523 है।

❑मोबाइल रॉकेट प्रोजेक्टाइल

❑भारत के पास 702 है

❑पाकिस्तान के पास 602 है।

❑सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलरी

❑भारत के पास 140 है,

❑ पाकिस्तान के पास 752 है।

- कुल नौसैनिक जहाज
- भारत के पास 294 है
- पाकिस्तान के पास 114 है

- एयरक्राफ्ट कैरियर
- भारत के पास दो एयरक्राफ्ट कैरियर है
- पाकिस्तान के पास एक भी नहीं है।

- पनडुब्बी
- भारत के पास 18 है
- पाकिस्तान के पास 8 पनडुब्बियां हैं।

- विध्वंसक
- भारत के पास 12 है
- पाकिस्तान के पास 2 हैं।

- पेट्रोल वेसल
- भारत के पास 137 है
- पाकिस्तान के पास 69 हैं।

THANK YOU

Result Mitra

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result